

Happy Bangla New Year. Another year has arrived and yet we are still not sure where the 'happy' element of the greeting has gone! It was supposed to be happy the last year, and the previous year, and the previous one and so on. But really, besides some temporary personal happy moments, can we claim that in general there is even peace and stability around us - forget about joy and happiness? Still the festive mood of Pohela Boishakh (the first day of the Bengali year) with it's tradition of Tagore songs, and cotton sarees and friends and colorful rally on the streets brings hope and goodness. Even though over the internet, Muktomona wishes to take slow but steady steps in contributing to a collective sense of 'happiness' in the world through it's practice of tolerance, compassion and understanding. Let's all be little more open in the year of 1413. Best wishes to all Muktomonas from Muktomona

एड नववर्ष। ये वार्मा वह्र त्व एक ए प्रे एड कामना कान नयून कि ह नय। र प्रायत जामिक नियं जामा परिमा विमाण विना जायात्मरे यामापित मध्यति मधाविष्ठ मन (थिक प्रे मू-रेष्ट्रां रिड्भातिण करता विष स्रोति माथा (दाव, नयून जाजव माड़ि, कान्यिमाथिव थाम(थय़ालीपना, विमाधि मिलाय वक्क (पत्र माश्य जम्हे शिक माना था उसी - 19 यय पान नागात उपकरन निय य पिनिए वास्य सिरि य वामापित थनिकित कना श्लिख डेपात 1वर जागाविषि कर्त यून्य जाए जात यान्ह्यों कि! किंग्र गांतपत्र (पास्त्रा विमाध (यक ७)(म हिय) यास्त्रिण पार्य यारे शिक, जामापित समिषिण कीवति कणधानि " एउ व्यासलिश मिरिश विराविष्य प्रे प्रा व्याप्य, वाशी प्रा विश्व समिए। मुख्यमात रेडिएगियान ग्रापु कि जबु मत्त ना। शामरे वा जानुकाम

मायाम, भूव विति विति प्राप्ट प्रकृते गति शला अशिक्षण, अश्मिण जात आश्मी प्रकाम प्रत मया पिए जामापित अवात कीवति प्रवर्भ आमिश्रक जाति 'भू' प्रिकिण श्व प्रे कामना तरेल मुख्यमात पक्ष (भिक्ष मुख्यमापित कना। 'छड' शिक ১৪১७ साल।

Enjoy some modern bangla poems on bangla seasons

द्याया

পদাসনা, বাজন দ্রাদার ক্রাদার ক্রাদার

আকাশে জ্যেন্টের রোদে পুরে গেছে মেয়, সরু কৃষকের ব্রফ ধরা মূপু ঘেন আশার আবেল আজো মস্য, অনাক্রেন্ড, শাসানীর দারুন খ্রায়, হীধ্য সাক্রে পারেনি পোরুতে।

निर्मातम् अर



अधियं अभगा पहें (य, येचि वर्णाः विविच गाँउ यांमां जलिं थांड । प्रिमियपि लं , यथ अप याया मुख्य याना याय ना - आमि याप्री किय कान हात ! जांद्यां याय नां, जीणिसम्, हाकस्यांकस राय जाला। आमि रक्ष विष्टिलाम, आवात सम्मान निस् এलि नयुन वृध्यित पिन, नयुन वर्धात पिपि 1्रा এসে পড়না বনো আর পাগনা হব না কোনোকানো पान्ना-कर्ता लाक रव, जामि, पिपि, जामात कपालि।

জয় গোস্বামি

(श्रुमियरहा, सार्धणण ?)

आंद्रीह

यूमि (जामांत जाराष्ट्राज (प्रोचन(क (जिंक द्रांतिन) न्मिंश मण प्राण्यान (मिशिस जारेनिया। यूमि (यामांस साम्प्री हाँपता यन्मांस्य सार्था, (इ गांबर, ग्रीम (प्रांमांबर् क्षेत्र में त्वंबर् दिवार निमंत्रा शिलिस शिक्तिकाला जाकाला मिलिस मंख, आंश आंगि भी जिस पर्मान (याक में इस गांहि। निम्लिपु अर्थ

(ENE

খাটো মানুষের পা যেমন খাটো সেমনি মফান হেমন্ত দিনের। রাসের শেফানি দন মেনে ফোটে, ধোর হনে সারা অফাসরে নোটে। মে ফুন ফুড়াসে যসটা মময় প্রয়োজন হয়, হেমন্ত সা নেই।

> কুড়াতে কুড়াতে মকান্য বিশস্ত। শেফানি সইবে এমন কোমন আনোর ভামানো একটি মকান্য এ কবিকে দাস্ত, আহা যদি দাস্ত।

মারা শেদানির মানা গাখা মারা হতে না হতেই দুপুরের রোদে মে মানা শুকায়, মজীবতা হারা মেই শেদানিতে ধরে না হৃদয়। গাছ ধরে যদি শেদানি দোটানে, কুড়াতে কেন মময় দিনে না? এই অভিযোগে, এই অভিশাদে চিরকান হবে হেমন্ত দণ্ডিত। भीज

শীত এনেই ব্রফে জড়িয়ে খরি এফটি ফাঁথা, আর তথ্য ই ফবরের গা দুড়ে মিটি হেমে মামনে এমে দাঁড়ায় রাৎগা বৌ।

मृगुरत ठिक जिन मात्र पूर्व कान এक भिराधत भीजि काँथारि जामाक त्रि ईपरात पिराधिन।

শীত এনে মাথে আমে ব্যর্থতার প্লানি স্তঃ
তবু স্ত আমি চাই –বারে বারে ফিরে আমুক শীত,
কারন শীত এনেই বুকে জড়িয়ে ধরি একটি কাঁথা,
আর তখন ই কবরের গা ফুড়ে মিঘ্টি হেমে মামনে এমে দাঁড়ায় রাংগা বৌ।
জাহেদ আহমদ

आंसोंस स्थार

न् ना श्ला वसम् विस्मार पाला हिरे असम्बा मत्तर सिग्रंत जूए आत न्या मत्तर मर्मेत पाग याता, ज्यहत्क त्रुव्यत् (पथा होप, - (जारप्रामय त्रास्त्र केल्लास्म व्याप्त विश्व। न् ना श्ला वसम् विस्मार

नाष्ट्रित जत्तामु हिए (वितिसिह जिनिहिन (विधि, उत्त मुत्थ यूमितित धून, प्रसुणित प्रमा प्रमा। कन्ने प्रत्न कति नान नित्रमां (या निर्धात, हिर पूर्व मिनित्र निर्धा। या ना स्टाल वयम किरात।

निर्मिलियु छत